सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 215 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 11 सितम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

आइये हम अपने आज का बलिदान कर दें ताकि हमारे बच्चों का कल बेहतर हो सके।
-डॉ. अब्दुल कलाम

एशिया कप: भारत ने जीत के साथ की... 7 | शहर की सरकार में तकरार ही... 3 | भाजपा सरकार ने प्रदेश को अराजकता... 2

नेपाल क्राइसेस

आग के दरिया में कौन तैरकर बनेगा पीएम?

- नेपाली आर्मी चीफ ने जारी किया वीडियो एलर्ट
- पार्टी पॉलिटिक्स से थक चुके हैं आम नेपाली
- जनता को चाहिए भरोसा नए चेहरे, नई सोच का हो अगला प्रधानमंत्री

सुशीला कर्की, नेपाल पूर्व चीफ जस्टिस

बेलन शाह, मेयर काठमांडू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेपाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां पार्टी पॉलिटिक्स की पुरानी झंझावत टूट रही है और जनता नए चेहरे नई उम्मीद के लिए सड़क पर है। जेनरेशन के युवा सोशल मीडिया पर नेपो किड्स की आलोचना कर रहे हैं। भ्रष्टाचार और जरूरतों की अनदेखी ने जनता के गुस्से में घी का काम किया है।

इस बीच नेपाल के सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल ने एक सार्वजनिक वीडियो और वक्तव्य जारी कर स्थिति को नियंत्रण में लाने की चेतावनी दी है उन्होंने इस बात के साफ संकेत दिये है कि अगले चुनाव या नए प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया धुंधली नहीं चलेगी। सिग्देल ने प्रदर्शन कार्यक्रमों को तुरंत बंद किया जाने की बात कही है और सभी को संवाद की मेज पर आने का न्योता दिया है। सिग्देल ने नेपाली जनता से सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति की रक्षा का आग्रह किया है और कहा है कि यदि अराजकता की स्थिति बनी रही तो सेना को कड़ी कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों से बचने और केवल विश्वसनीय स्त्रोतों से सूचना लेने की सलाह दी है।

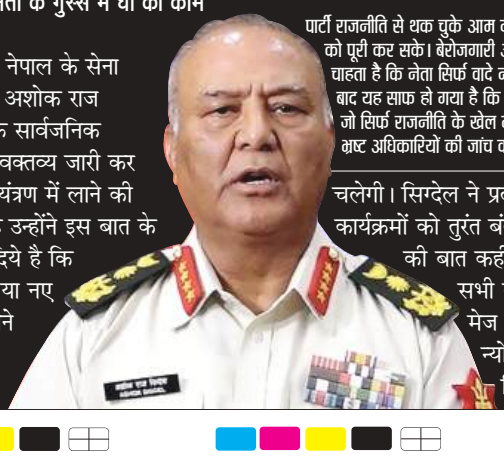

बिल्कुल बंग्लादेश जैसा हाल

नेपाल का नजारा और सिचुएशन बिल्कुल बंग्लादेश जैसा है। जनता, प्रदर्शनकारियों और सेना की बातचीत में प्रधानमंत्री के लिए कुछ नाम तेजी से उभर रहे हैं। जिनमें सुशीला कार्की और बलेन्द्र बेलन शाह प्रमुख है। सुशीला कर्की नेपाल की पूर्व चीफ जस्टिस रह चुकी है उनकी छवि पार्टी राजनीति से उपर की है। वह नेपाल की चीफ जस्टिस रह चुकी है। कुछ प्रदर्शनकारियों की ओर से उनका नाम एक अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में सामने आया है। वहीं बेलन शाह जिनकी आयु महज 35 वर्ष है वह रैपर से राजनीति में आये हैं और काठमांडू के मेयर है। वह जनता में लोकप्रिय हैं खासकर युवा वोटर्स में। उन्होंने कहा है कि वह लोकतंत्र, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यों में आवाज उठाएंगें। इसके अतिरिक्त भी कुछ नाम जैसे ओम प्रकाश आर्याल, बृहद जनरल प्रेम शाह, नीला कन्थ उप्रेती आदि भी है। नेपाल में एक अंतरिम प्रधानमंत्री चुन कर अगले वर्ष आम चुनाव करवाये जा सकते हैं जैसा कि बग्लादेश में चल रहा है।

क्या चाहते हैं आम नेपाली

पार्टी राजनीति से थक चुके आम नेपाली किसी ऐसे व्यक्ति को पीएम के तौर पर देखना चाहते हैं जो उनकी अपेक्षाओं को पूरी कर सके। बेरोजगारी और भ्रष्टाचार यह वह मुद्दे हैं जिनसे आम नेपाली पार पाना चाहता है। जेन ये चाहता है कि नेता सिर्फ वादे न करें काम करें जवाबदेही दिखाएं। वीडियो बाइट और आम लोगों से बातचीत के बाद यह साफ हो गया है कि नया प्रधानमंत्री एक मध्यवर्ती, ईमानदार और पारदर्शी व्यक्ति हो कोई ऐसा चेहरा जो सिर्फ राजनीति के खेल में न बंधा हो। नेपाली चाहते हैं कि सामाजिक मीडिया प्रतिबंध की तुरंत वापसी हो। भ्रष्ट अधिकारियों की जांच कर उन्हें जेल भेजा जाए और त्वरित और स्पष्ट न्याय कार्रवाई की जाए।

नेपाल में फंसे लोगों को निकालने का काम शुरू

हिंसा प्रभावित नेपाल में फंसे तेलुगु लोगों को निकालने का काम तेज हो गया है। सिमिकोट से 12 लोगों को लेकर एक विशेष उड़ान रवाना हुई जबकि 22 लोगों का एक अन्य समूह सड़क मार्ग से सुरक्षित वापस लौट आया। आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने बताया कि 200 से ज्यादा लोगों को हवाई मार्ग से लाने के लिए काठमांडू से नई दिल्ली के बीच एक उड़ान की योजना बनाई गई है। मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि 133 लोगों को काफिले की सुरक्षा में हवाई अड्डे तक पहुंचाया जा चुका है। पोखरा से एक चार्टर विमान उड़ान भरेगा जो 10 फंसे तेलुगु लोगों के एक और समूह को इंडिगो की उड़ान में सवार होने के लिए काठमांडू लाएगा। 133 फंसे हुए लोग काठमांडू हवाई अड्डे पर पहुंच चुके हैं।

राजनीतिक अस्थिरता की ओर बढ़ा नेपाल

नेपाल में जारी विभिन्न प्रदर्शनों में हिंसा, आगजनी, सरकारी इमारतों की तोड़-फोड़ यह घटनाएं नेपाल को राजनीतिक अस्थिरता को और बढ़ा रही हैं। बातचीत में अनिश्चितताएं हैं। प्रधानमंत्री की रिक्ति के बाद बने संभावित अंतरिम सरकार के लिए शामिल दलों में आपसी मतभेद हैं। किसी को पसंद होगा कि पारंपरिक दल, किसी को युवा नेतृत्व, किसी को न्यायाधीशों की भूमिका यह टकराव नए तनाव खड़े कर सकते हैं। सेना की भूमिका बढ़ने पर वैधानिक और सवैधानिक सवाल उठ रहे हैं क्या यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया है या जबरदस्त दबाव में परिवर्तन?

भारतीय सीमा में फरार कैदी गिरफ्तार

नेपाल की जेल से भागे हुए 30 कैदियों को भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश के दौरान सशस्त्र सीमा बल ने गिरफ्तार कर लिया। इन गिरफ्तारियों में से 17 कैदियों को उत्तर प्रदेश से जबकि 13 को पश्चिम बंगाल और बिहार से पकड़ा गया है। उत्तर प्रदेश में गिरफ्तारियां लखीमपुर, बहराइच और बलरामपुर में रात भर की गई गश्त के दौरान हुईं।

चार लोगों का चमत्कार इनफ इज इनफ से आये चर्चा में

नेपाल में जारी इस उथल-पुथल में चार चेहरों की भूमिका सबसे अहम मानी जा रही है। इनमें सुदन गुरुंग, बालेंद्र (बालेन) शाह, रबि लमिछाने और सुशीला कार्की का नाम शामिल है। सबसे पहला नाम सुदन गुरुंग का आता है। इवेंट मैनेजमेंट और नाइट लाइफ इंडस्ट्री छोड़कर सामाजिक कार्यों में जुटे सुदन ने 2015 के भूकंप के दौरान 'हमि नेपाल' एनजीओ की स्थापना की थी। कोविड महामारी में राहत कार्यों से भी वे चर्चा में रहे। 2020 के 'इनफ इज इनफ' आंदोलन से वे युवाओं के नेता बने। सोशल मीडिया प्रतिबंधों के खिलाफ प्रदर्शन को दिशा देने में भी उनकी बड़ी भूमिका रही। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर और किताबें लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करें।

भाजपा सरकार ने प्रदेश को अराजकता में धकेल दिया है: अखिलेश

» बोले- हर मोर्चे पर फेल, आपराधिक घटनाओं से सुरक्षित नहीं है राज्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सरकार पर सपा प्रमुख का हमला जारी है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को अराजकता में धकेल दिया है। कानून-व्यवस्था ध्वस्त है। स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाएं बर्बाद हो चुकी है। किसानों के लिए खाद-बीज की व्यवस्था नहीं है। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार हर मामले में विफल हो गई है।

कानून-व्यवस्था पर इस सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है। हत्या, लूट, और बलात्कार की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। राजधानी लखनऊ भी अपराधिक घटनाओं से सुरक्षित नहीं है। 24 घंटे में तीन हत्याओं से लखनऊ दहल गया। मड़ियांव में बदमाशों ने घर में घुसकर बुजुर्ग को गोली मार दी। बंथरा में रिकवरी एजेंट की हत्या और निगोहां में हत्या कर युवक का शव नाले में फेंका गया।

प्रदेश में एसआईआर शुरू होने के खिलाफ सपाइयों का प्रदर्शन

प्रदेश में एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रि या शुरू होने के विरोध में सपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को प्रदर्शन किया। हजरतगंज से विधानभवन जाने की कोशिश कर रहे सपाइयों और पुलिस में काफी देर तक नोकझोंक चली। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बस से ईको गार्डन भेज दिया। सपा की बरेली महानगर उपाध्यक्ष समयुन खान की अगुवाई में सपा कार्यकर्ता जीपीओ पर पर एकत्र हुए। यहां से सभी विधानभवन कूच करने की कोशिश करने लगे। इस पर पुलिस ने रोका तो उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी और हंगामा करने लगे।

मतदाता पुनरीक्षण के बाद भी कमियां क्यों : समयुन खान

सपा नेता समयुन खान ने कहा कि प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया 29 सितंबर तक पूरी की जानी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग हर साल चार से पांच बार विधानसभावार मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम कराता है। उन्होंने सवाल किया कि इसके बावजूद इन मतदाता सूचियों में इतनी कमियां क्यों हैं? अगर इतनी त्रुटियां हैं तो ये जिम्मेदारी किसकी है? उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग प्रदेश में पिछले चुनावों में खुल कर सत्ताधारी पार्टी को लाभ पहुंचाया। ऐसे में प्रदेश की जनता एसआईआर पर कैसे भरोसा करे। कहा, आयोग ने एआई से फर्जी वोटर चयनित कर लिए लेकिन सपा की ओर से दिए गए 17986 एफिडेविड का जवाब नहीं दे पाया। प्रदर्शन में अमर बाल्मीकि, गजेंद्र यादव, रोज वारसी, मोहित सिंह, रोहित, इसराफील हाशमी, हिमांशु शर्मा आदि शामिल हुए।

केंद्र की बाधाएं तमिलनाडु की प्रगति को नहीं रोक पाएगी: एमके स्टालिन

» बोले- कुछ लोग राज्य के बारे में उड़ा रहे अफवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक वीडियो संदेश के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि राज्य द्रविड़ मॉडल 2.0 के तहत 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। व्यक्तिगत रूप से शामिल न हो पाने की वजह बताते हुए स्टालिन ने कहा कि वह सोमवार को ही अपनी यूरोप यात्रा से लौटे हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने इसमें शामिल होने और तमिलनाडु के विकास की योजनाओं पर बात करने की योजना बनाई थी। स्टालिन ने जोर देकर कहा कि तमिलनाडु भारत का औद्योगिक पहलुओं में नंबर 1 राज्य और देश का विकास इंजन है। उन्होंने इस प्रगति का श्रेय सामाजिक न्याय, समानता, संघवाद और समावेशिता पर आधारित द्रविड़ शासन मॉडल को दिया। हमारा आदर्श वाक्य है कि तमिलनाडु के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, उत्पीड़ित वर्ग और महिलाओं को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए।

नागरिक बनने से पहले मतदाता सूची में शामिल था सोनिया गांधी का नाम

» अदालत ने फैसला रखा सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उनका नाम भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले मतदाता सूची में शामिल किया गया था। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने कहा कि अदालत फैसला सुरक्षित रख रही है।

शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी की ओर से पेश वकील ने कहा कि यहां एकमात्र मुद्दा यह है कि जनवरी 1980 में सोनिया गांधी का नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता के रूप में जोड़ा गया था, जबकि वह भारतीय नागरिक नहीं थीं। उन्होंने कहा कि पहले आपको नागरिकता की सीमा पूरी करनी होगी, तभी आप किसी क्षेत्र के निवासी बनेंगे। वकील ने कहा कि 1980 में निवास का प्रमाण संभवत: राशन कार्ड और पासपोर्ट था। वकील ने कहा कि अगर वह नागरिक थीं, तो 1982 में उनका नाम क्यों हटाया गया? उन्होंने कहा कि उस समय चुनाव आयोग ने दो नाम हटाए थे, एक संजय गांधी

का, जिनकी विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, और दूसरा सोनिया गांधी का। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को जरूर कुछ गड़बड़ लगी होगी, जिसके चलते उनका नाम मतदाता सूची से हटाया गया 4 सितंबर को वकील ने कहा था कि गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता के रूप में मतदाता सूची में शामिल था, जिसे 1982 में हटा दिया गया था, और 1983 में उनके भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के बाद फिर से दर्ज किया गया था। यह याचिका भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 175 (4) (मजिस्ट्रेट को जांच का आदेश देने की शक्ति) के तहत दायर की गई थी, जिसमें पुलिस को इस आरोप की जांच के निर्देश देने की मांग की गई थी कि गांधी 1983 में भारतीय नागरिक बन गईं, लेकिन उनका नाम 1980 की मतदाता सूची में था। उन्होंने जालसाजी और सार्वजनिक प्राधिकरण के साथ धोखाधड़ी का दावा किया।

झूठ बार-बार कहने से सच नहीं बन जाता: जाखड़

आप सरकार पर भड़की भाजपा, बोले प्रदेश अध्यक्ष- 60 हजार करोड़ का मुद्दा जीएसटी काउंसिल में क्यों नहीं उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब भारतीय जनता पार्टी (भापजा) के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि एक झूठ बार-बार कहने से वह सच नहीं बन जाता। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा केंद्र पर 60 हजार करोड़ रुपये बकाया होने के दावे का कोई आधार नहीं है। ऐसा था तो राज्य के वित्त मंत्री ने 3 सितंबर को हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में यह मुद्दा क्यों नहीं उठाया।

चंडीगढ़ में जाखड़ ने कहा कि यह सरकार केंद्र से सहायता लेने के लिए तर्कहीन आंकड़े पेश कर रही है, जिसका खामियाजा पंजाब के लोग भुगत रहे हैं। बावजूद इसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के लिए 1600 करोड़ रुपये की तत्काल राहत दी है और यह भी कहा है कि अन्य प्रस्ताव आने पर उनके लिए भी सहायता की जाएगी। उन्होंने बताया कि आप सरकार के मुख्य सचिव प्रधानमंत्री के सामने नुकसान को 13,289 करोड़ बता रहे थे जबकि सरकार के मंत्री हरदीप सिंह मुंडी ने इसे 20 हजार करोड़ बताया। मनमाने आंकड़े पेश कर आप सरकार ने अपना गैर-जिम्मेदाराना रवैया दिखाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ग्रामीण विकास के लिए 5,043 करोड़ रुपये की

मांग की जबकि इस सरकार ने वर्ष 2022-23 में पंजाब के 13,500 गांवों में केवल 1,156 करोड़ और 2023-24 में 778 करोड़ रुपये ही ग्रामीण विकास पर खर्च किए। इसी तरह, इस सरकार ने पिछले साढ़े तीन साल में मंडी बोर्ड के माध्यम से सड़कों पर केवल 500 करोड़ रुपये खर्च किए लेकिन अब बाढ़ प्रभावित गांवों की सड़कों के लिए पंजाब सरकार 1,022 करोड़ रुपये मांग रही है। राज्य सरकार के पास पहले से ही एसडीआरएफ में 12,000 करोड़ रुपये पड़े हैं लेकिन इसे अनावश्यक कार्यों में खर्च किया जा रहा है। सीएम को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि सरकार 20 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा कहां से देंगी।

केंद्र और राज्य सरकारों ने पंजाब को निराश किया : राजा वड़िंग

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा है कि केंद्र और राज्य दोनों सरकारों ने पंजाब के लोगों को इस भयानक प्राकृतिक आपदा के दौरान बुरी तरह निराश किया है। जिससे हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पंजाब कांग्रेस भवन में प्रेसवार्ता के दौरान वड़िंग ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1600 करोड़ रुपये का बाढ़ राहत पैकेज राज्य में हुए भारी नुकसान की तुलना में बहुत कम है। पंजाब सरकार के पास आपदा कोष में फंड नहीं बचा है, क्योंकि इसका इस्तेमाल किसी अन्य कार्यों में किया जा चुका है। वड़िंग ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड ने पानी तब छोड़ा जब जलस्तर 1678 फीट तक पहुंच गया था। अगर पिछले इतिहास और मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए बांध में पानी को ठीक से नियंत्रित किया गया होता, तो पंजाब में नुकसान लगभग 25 प्रतिशत होता। मान्य वर्षा के लगभग 105 प्रतिशत के पूर्वानुमान को देखते हुए, बांध में पानी को धीरे-धीरे और चरणबद्ध तरीके से बहुत पहले छोड़ा जा सकता था। कांग्रेस ने ब्लॉक स्तर तक अलग-अलग क्षेत्रों के लिए टीमें बनाई हैं, जो गेहूं की आखिरी बुवाई तक मैदान पर किसानों के साथ रहेंगी। मिट्टी की नमी के कारण गेहूं की बुवाई में कुछ समस्याएं आ सकती हैं।

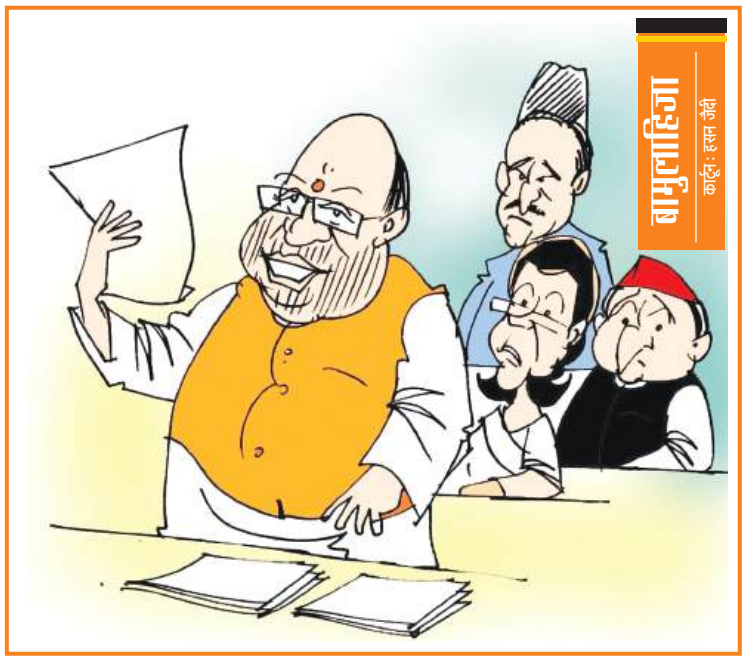

राहुल गांधी, अखिलेश और तेजस्वी के पोस्टर पर भड़के साक्षी महाराज

» विपक्ष के लोग मानसिक विकृत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पूर्व सीएम अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव का एक पोस्टर राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। पोस्टर के माध्यम से राहुल गांधी, तेजस्वी यादव व अखिलेश यादव को ब्रह्मा, विष्णु और महेश बताया गया है।

रायबरेली में लगे इस पोस्टर पर बीजेपी सांसद साक्षी महाराज ने तीखा हमला बोला है। साक्षी महाराज ने कहा है कि यह जो विरोधी पार्टियां हैं, जिन्हें हृष्ठ गठबंधन कहा जाता है, भारतीय संस्कृति विरोधी है, सनातन के विरोधी हैं।साक्षी महाराज ने कहा कि यह हिंदू के विरोधी है, हिंदू देवी देवताओं के विरोधी हैं, यह क्या न कर ले थोड़ा है। बीजेपी सांसद ने कहा कि विपक्ष में विकृत मानसिकता के लोग हैं, ट्रीटमेंट की आवश्यकता है। ये सत्ता के लिए छटपटा रहे हैं। आपको बता दें कि सांसद साक्षी महाराज अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए जाने जाते हैं. एक बार उन्होंने विपक्ष पर बड़ा जुबानी हमला बोला है। दरअसल, रायबरेली सांसद राहुल गांधी दो दिवसीय अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे हैं। राहुल गांधी के दौरे से पहले यह पोस्टर उत्तर प्रदेश की राजनीति में चर्चाओं का विषय बना हुआ है।

शहर की सरकार में तकरार ही तकरार

अपनी ही पार्टी पार्षद के निशाने पर महापौर

- वाह रे सदन तेरा क्या कहना
- नोंक-झोंक में इस तरह खत्म हो गया सदन
- पार्षद समस्या बताते रहे महापौर ने शुरू करा दिया राष्ट्रगान
- नहीं बोल पाए और भी पार्षद उससे पहले महापौर ने खत्म किया सदन

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में एक साल के बाद सदन की बैठक का दूसरा दिन हंगामा भरा रहा, इससे पहले शनिवार को एक वर्ष के बाद लखनऊ मेयर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में सदन का आयोजन हुआ था। मंगलवार को सदन शुरू होते ही पार्षदों के सवालों ने सदन में शोरगुल का माहौल पैदा कर दिया।

इस दौरान भाजपा से स्तिफा दे चुके पार्षद मुकेश सिंह उर्फ मोंटी ने महापौर से सीधे सवाल किए और कहा कि इससे पहले सदन में किए गए सवालों के जवाब मिलते थे लेकिन अब कोई जवाब न मिलने के कारण किसी भी बात का हल नहीं निकल पा रहा है जिससे हमको जनता के बीच जाने में असुविधा हो रही है। महापौर की तरफ से कोई उचित जवाब न मिलने पर मोंटी सदन से वॉकआउट कर गए। जिसके बाद सदन की कार्रवाई बढ़ी लेकिन नाराजगी सिर्फ स्तिफा दे चुके पार्षद को ही नहीं थीं। बल्कि अन्य भाजपा के पार्षदों में भी भारी गुस्सा और नाराजगी थी। सदन में उठाए गए सवालों के उचित जवाब न मिलने से नाराज भाजपा पार्षद रंजीत सिंह व अन्य पार्षद अपनी पार्टी के मेयर के खिलाफ सदन ने धरने पर बैठ गए जिससे नाराज होकर मेयर सदन छोड़कर चली गई। कुछ समय शासन स्थगित रहने के बाद मेयर वापस आई तो शासन की कार्रवाई शुरू हुई लेकिन इस बार भी सदन आसानी से नहीं चल सका। सफाई, कूड़ा निस्तारण, स्ट्रीट लाइट, होर्डिंग, सफाई कर्मियों का वेतन, जैसे के मुद्दों पर सवाल किए गए लेकिन उद्यान के मुद्दों में सदन को उलझकर अन्य मुद्दों के जवाब दिए बिना ही सदन स्थगित कर दिया गया।

मेयर और नगर आयुक्त में नहीं है सामंजस्य

मंगलवार को सदन में 34 प्रस्ताव पास हुए लेकिन जब मेयर सुषमा खर्कवाल प्रेसवार्ता के लिए मीडिया से मुखातिब हुईं तो 34 से अतिरिक्त सात नए प्रस्ताव देखकर पास में ही बैठे नगर आयुक्त गौरव कुमार से नाराजगी जताई। मेयर ने मीडिया के सामने ही नगर आयुक्त पर सदन में रखे जाने वाले अतिरिक्त सात प्रस्तावों की उन्हें कोई सूचना नहीं देने का आरोप लगा दिया। जिसपर

नगर आयुक्त ने जवाब देते हुए कहा कि आपका यह कथन गलत है। मेरे कार्यालय की ओर से इन प्रस्तावों की आपको पूरी तरह जानकारी दे दी गई थी। इस दौरान अन्य जानकारी देने के लिए अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह से इस संबंध में जवाब मांगा है।

अहम प्रस्तावों को आखिर मिल गई मंजूरी

पार्षदों पर एफआईआर से पहले मेयर की लेनी होगी मंजूरी सिनेमा घरों पर बढ़ा टैक्स, मॉडल शॉप और कंपोजिट शॉप का बढ़ा शुल्क, पार्किंग स्थलों का बढ़ा शुल्क, स्ट्रीट पार्किंग को दी गई मंजूरी, पेयजल टैंकर का बढ़ा शुल्क, छोटी सवारी गाड़ियों का बढ़ा शुल्क, पैथोलॉजी लाइसेंस शुल्क हुआ दोगुना, 50 बेड नर्सिंग होम का बढ़ा शुल्क, खुर्रम नगर चौराहा अब सीमैप चौराहा हुआ, खुले सीवर गिरने पर लगेगा जुर्माना।

सदन में पार्षद ने सुरक्षा की मांग वहीं कर्मचारी खा रहे थे मार

नगर निगम सदन की बैठक में मंगलवार को पार्षदों ने कर्मचारियों की सुरक्षा पर गंभीर चिंता जताई। पार्षदों ने कहा कि निगम की टीमें अवसर अतिक्रमण हटाने और कैटल कैचिंग जैसी कार्रवाई के दौरान लोगों के विरोध और मारपीट का शिकार होती हैं। उन्होंने मांग की कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त बल की तैनाती की जाए, ताकि वे बिना भय के अपना काम कर सकें। इसी दौरान खबर आई कि जोन-6 में अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम की टीम पर सब्जी मंडी के सामने ही हमला हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुलिस की मौजूदगी में ही एक दुकानदार ने अवैध कब्जा हटाने का विरोध करते हुए अधिकारियों से मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान निगम का एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि सुरक्षा व्यवस्था नहीं बढ़ाई गई तो ऐसे हमले भविष्य में और बढ़ सकते हैं। वहीं, निगम अधिकारियों ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही है।

बिहार चुनाव की बिसात पर कांग्रेस का दांव

राहुल और खरगे ने दिल्ली में तय की रणनीति

- एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प
- सहयोगियों से जल्द सीटों पर होगी बात
- भाजपा-जदयू को राजद के साथ मिलकर घेरेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव इसी साल होने हैं। भाजपा, राजद, जदयू, कांग्रेस के साथ-साथ छोटे दल सब तैयारी में जुट गए हैं। पर सबसे ज्यादा फोकस कांग्रेस का है इसी क्रम में जहां कांग्रस नेता राहुल गांधी ने एक पखवाड़े वोट अधिकार यात्रा निकाल कर जनता के बीच अपनी पार्टी का जनाधार बढ़ाने की कोशिश की। अब कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व राज्य के नेताओं के साथ बैठक कर एनडीए सरकार को हटाने के लिए रणनीति बनाने में जुट गया है। इस हेतु कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और राहुल गांधी ने दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं संग गहन मंथन किया।

बैठक में सीट बंटवारे, प्रचार रणनीति और उम्मीदवारों के चयन पर विस्तार से चर्चा हुई। 2020 की हार से सबक लेते हुए पार्टी मौजूदा विधायकों की सीटों पर पुनर्विचार कर रही है। सहयोगी दलों संग सीट बंटवारे पर सकारात्मक बातचीत जारी है, जो आगामी चुनाव में कांग्रेस की स्थिति तय करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को नई दिल्ली में बिहार के एआईसीसी प्रभारी कृष्णा अल्लावरु सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक विचार-मंथन सत्र आयोजित किया। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी दलों के बीच सीटों के बंटवारे सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद, अल्लावरु ने संवाददाताओं को बताया कि सीट बंटवारे, चुनाव प्रचार, घोषणापत्र और उम्मीदवारों जैसे चुनाव संबंधी मुद्दों पर चर्चा हुई।

सीटों की संख्या के बारे में गठबंधन सहयोगियों के साथ चर्चा

अल्लावरु ने कहा कि बैठक में राज्य चुनावों के मद्देनजर पार्टी द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की गई। पार्टी द्वारा चुनाव लड़ने की इच्छुक सीटों की संख्या के बारे में उन्होंने कहा कि गठबंधन सहयोगियों के साथ चर्चा चल रही है और सहयोगी दलों के साथ बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पशुपति कुमार पारस के पार्टी में प्रवेश के मुद्दे के कारण बैठक में रालोसपा और हेमंत सोरेन की झामुमो से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

मोदी-शाह पर खरगे का वार, बोले-

ये दोनों नहीं चाहते संविधान सुरक्षित रहे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि दोनों ही भारतीय संविधान की रक्षा नहीं करना चाहते और न ही लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं। आज दोपहर गुजरात के जूनागढ़ पहुंचे खड़गे ने बात करते हुए कहा कि विपक्ष का मुख्य उद्देश्य संविधान और लोकतंत्र को बचाना है। लोकतंत्र में चुनाव लड़ना आम बात है। हमारा मुख्य लक्ष्य संविधान को बचाना और लोकतंत्र की रक्षा करना है।

खरगे ने आगे कहा कि जिस धरती पर महात्मा गांधी और वल्लभभाई पटेल जैसे लोगों ने जन्म लिया और देश को आजादी दिलाई - ये दोनों हमारे लिए अत्यंत सम्माननीय हैं। देश उनकी वजह से एकजुट है। हालांकि, दो अन्य लोग नहीं चाहते कि संविधान सुरक्षित रहे। वे लोकतंत्र को भी नहीं बचाना चाहते। उपराष्ट्रपति चुनाव पर बोलते हुए कहा, हमारे पास बहुमत नहीं था, हमें जितने वोट मिले, उतने ही मिले। इससे पहले दिन में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि क्रॉस वोटिंग की कथित संभावना की विपक्षी गठबंधन के प्रत्येक घटक द्वारा व्यवस्थित जांच की जानी चाहिए। तिवारी ने बताया, अगर क्रॉस-वोटिंग हुई है, तो इंडिया अलायंस के प्रत्येक घटक दल द्वारा इसकी गंभीरता से जांच की जानी चाहिए। क्रॉस-वोटिंग एक बेहद गंभीर मामला है। अगर आप जो कह रहे हैं वह सही है या जो सार्वजनिक रूप से सामने आ रहा है या जिसके बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, उसमें जरा भी सच्चाई है, तो इसकी व्यवस्थित और गहन जांच होनी चाहिए।

समझौता पर समय सीमा तय करना संभव नहीं

वीआईपी नेता मुकेश सहनी के इस बयान पर कि सीट बंटवारे का समझौता 15 सितंबर से पहले हो जाएगा, बिहार के एआईसीसी प्रभारी ने कहा कि ऐसे मुद्दों पर हमेशा समय सीमा तय करना संभव नहीं होता, लेकिन सीट बंटवारे को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के प्रयास किए जा रहे हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन केवल 19 सीटें ही जीत पाई थी। सूत्रों ने बताया कि पार्टी कुछ मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं दे सकती है, जबकि उसके संभावित गढ़ों के लिए उम्मीदवारों के नाम भी गहन विचार-विमर्श के बाद ही तय किए जाएंगे।

केंद्रीय चुनाव समिति उम्मीदवारों की सूची की घोषणा करेगी

पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति चुनाव में उतारे जाने वाले उम्मीदवारों की सूची की घोषणा करेगी। बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद केसी वेणुगोपाल, बिहार चुनाव के लिए कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन, कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, मदन मोहन झा और निर्दलीय सांसद राजेश रंजन मौजूद रहें।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जन अपेक्षाएं पूरी करना प्राथमिकता हो

पिछले दो-तीन साल के अंदर भारत के पड़ोसी देशों में उथल-पुथल देखने को मिली। पिछले साल बांग्लादेश, उससे पहले श्रीलंका, पाकिस्तान व म्यनमार में सरकार के काम-काज से अप्रसन्न जनता ने वहां की सत्ता के खिलाफ विद्रोह करके वहां सत्ता में बैठे लोगों को गद्दी से उतार दिया। अब 2025 में पड़ोसी देश नेपाल में वहां जनता ने सरकार की नाकामी के बाद वहां के नेताओं के खिलाफ आक्रोश इतना भड़का उनको सेना के शरण में जाना पड़ा। कुल मिलाकर इन सबमें एक बात समान रही की सबकों आम जनता की अवाज को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कभी जनता का मौन भी बड़े आंदोलन की चेतावनी हो सकती है। इसलिए सरकारों को जनता की आवाज को सुनना चाहिए। नेपाल में पिछले दिनों सरकार के खिलाफ चला ऑनलाइन अभियान बाहरी हस्तक्षेप के कारण था या वहां की जनता की सहज नाराजगी यह बाद में सामने आएगा। लेकिन इतना जरूर है कि लोकतंत्र में जनता की उम्मीदों को पूरा करना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की प्राथमिकता में रहना चाहिए। पिछले दो दिन से हिंसा की आग में सुलग रहे नेपाल में प्रधानमंत्री को पद से इस्तीफा देना पड़ा है।

प्रदर्शनकारियों का गुस्सा यहां तक पहुंच गया कि वहां संसद भवन में तोड़-फोड़ करने के साथ-साथ कई नेताओं के आवास तक आग के हवाले कर दिए गए। काठमांडू के साथ-साथ नेपाल के दूसरे शहरों में सड़कों पर उतरने वालों ने आंदोलन को जेन-जी प्रोटेस्ट का नाम दिया है।इससे पहले सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे अभियान में नेताओं के बच्चों की ऐशो-आराम वाली जिंदगी की तस्वीरें वायरल की जा रही थीं। लोगों को लग रहा था कि सत्ता में बैठे लोग अपने बच्चों को फायदा पहुंचा रहे हैं और आम आदमी बदहाली का जीवन बिताने को मजबूर है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधि ईमानदार व पारदर्शी शासन का वादा करके सत्ता में आते हैं। ऐसे में उनका यह दायित्व भी बन जाता है कि वे लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप काम तो करें ही भ्रष्टाचार मुक्त शासन भी दें। नेपाल में राजशाही की जगह लोकतांत्रिक प्रणाली हालात बदलने की उम्मीद के साथ अपनाई गई थी, लेकिन अपेक्षाओं के विपरीत बने परिदृश्य ने वहां लोगों को सड़कों पर आने को मजबूर कर दिया। इस आंदोलन में 13 से 28 आयुवर्ग के युवा और विद्यार्थी ज्यादा हैं, जो सोशल मीडिया पर लगाए गए नेपाल सरकार के प्रतिबंध को अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बता रहे हैं। हालांकि बेकाबू हुए हालात के बीच नेपाल सरकार को यह प्रतिबंध भी वापस लेना पड़ा है। समूचा घटनाक्रम कोई एकाएक हुआ हो ऐसा भी नहीं है। नेपाल में सोशल मीडिया पर लगाया गया बैन इसका तात्कालिक कारण जरूर हो सकता है, लेकिन अहम बात तो यह है कि वहां युवाओं में लंबे समय से भ्रष्टाचार के खिलाफ पनप रहे आक्रोश की हर स्तर पर अनदेखी की गई।

> कभी जनता का मौन भी बड़े आंदोलन की चेतावनी हो सकती है। इसलिए सरकारों को जनता की आवाज को सुनना चाहिए। नेपाल में पिछले दिनों सरकार के खिलाफ चला ऑनलाइन अभियान बाहरी हस्तक्षेप के कारण था या वहां की जनता की सहज नाराजगी यह बाद में सामने आएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

युवा आक्रोश की तपिश में सुलगता नेपाल

पुष्प रंजन

ऐसा लगा, जैसे कोलम्बो का परिदृश्य, नेपाल की राजधानी काठमांडो में उतर आया हो। नेताओं-नौकरशाहों-न्यायपालिका और मीडिया के विरुद्ध इतना गुस्सा नेपाल ने पहली बार देखा। संसद भवन, राष्ट्रपति कार्यालय 'शीतल निवास', प्रधानमंत्री कार्यालय व निवास और मंत्रियों की कोठियों को आग के हवाले कर दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री, नेपाली कांग्रेस के प्रमुख शेरबहादुर देउबा और उनकी पत्नी आरजू राणा, जो देश की विदेशमंत्री हैं, दोनों को बूढ़ा नीलकंठ स्थित आवास में घसीट कर मारा गया। उनके घर को आग लगा दी। देउबा और उनकी पत्नी को सेना की सुरक्षा में अस्पताल ले जाया गया है। प्रचंड, जो सत्ता में नहीं हैं, उन्हें भी उग्र प्रदर्शनकारियों ने नहीं बख्शा। 'प्रचंड' के खुमलाटार आवास पर प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ की। प्रचंड भी भूमिगत हैं। सेना की सुरक्षा में सबको सुरक्षित थानों पर ले जाया गया है। प्रदर्शनकारियों ने काठमांडो में उस इमारत को भी आग लगा दी है, जिसमें देश का सबसे बड़ा मीडिया हाउस, कांतिपुर पब्लिकेशन्स स्थित है।

नेता-नौकरशाह, न्यायपालिका, मीडिया सभी डरे-सहमें। फिर बच क्या जाता है? भरोसे का इतना बड़ा स्खलन। सब कुछ जैसे भरभरा कर गिर गया हो। 'सिंहासन खाली करो, कि जनता आती है', यह शायद केपी शर्मा ओली भांप चुके थे, तभी सेना प्रमुख की सलाह पर पीएम पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी। मंगलवार सुबह जेनरेशन जेड प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बालकोट, भक्तपुर स्थित निजी आवास में आग लगा दी। इस्तीफे के बावजूद लोगों का गुस्सा ठंडा नहीं हुआ, उन्होंने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बलुवाटार स्थित सरकारी आवास में भी आग लगा दी। सरकार में सहयोगी नेपाली कांग्रेस के मंत्री एक-एक कर इस्तीफा दे चुके थे। 3 सितम्बर को चीनी विजय दिवस समारोह में पीएम ओली उपस्थित थे। उनके काठमांडो लौटते ही नेपाली कांग्रेस के नेता शेखर कोइराला चाइना चले गए। वहीं से कल रात निर्देश दिया कि उनकी पार्टी के मंत्री इस्तीफा दे दें।

क्या केपी शर्मा ओली में थिएनआनमन स्क्वायर जैसा दमन करने की कुव्वत नहीं थी? काठमांडो में एक इलाका है, भैंसेपाटी। इसके कॉम्प्लेक्स में मंत्रियों व शीर्ष अधिकारियों की कोठियां हैं। मंगलवार दोपहर होते-होते संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के घर में आग लगा दी गई, फिर बाकी घर भी धू-धू जलने लगे। आगजनी और

तोड़फोड़ की घटनाओं के बीच नेपाली सेना ने हेलीकॉप्टरों की मदद से भैंसेपाटी में छुपे मंत्रियों और उनके परिवार के सदस्यों को निकालना शुरू कर दिया। मंगलवार को ही एक नाटकीय घटनाक्रम में, जेन-जेड प्रदर्शनकारियों ने नक्खू जेल में घुसकर पूर्व मंत्री व पत्रकार रबी लामिछाने को छुड़ा लिया। जेल से भगा ले जाने की यह साहसिक घटना देश भर में जेन-जेड प्रदर्शनकारियों द्वारा बढ़ती अशांति और लगातार बढ़ रहे दुस्साहसिक कार्यों को रेखांकित करती है। ऐसी अराजक स्थिति में क्या राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडेल देश को संभालने की जिम्मेदारी सौंप सकते हैं? अफवाहों का बाजार भारत में गर्म है, शक सीआईए पर। लेकिन अमेरिकी परियोजनाएं तो नेपाल में निर्बाध गति से चल रही हैं। फिर क्या ओली के चीन जाने से ऐसा कोई षड्यंत्र संभव है? ठीक से देखा जाये, तो नेपाल एक 'फेल्ड स्टेट' घोषित हो चुका है। 2022 के दौरान श्रीलंका में गंभीर आर्थिक संकट के कारण खाद्य और आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी हो गई थी। लोगों का विद्रोह हुआ और वे सड़कों पर उतर आए। मंत्रियों, जजों को घसीट कर मारा, राष्ट्रपति निवास में घुस गए। नेपाल में सोशल मीडिया के जरिये ऐसी आग लगेगी, इसके बारे में किसी ने सोचा न था। दस ऐसे देश इरिट्रिया, उत्तर कोरिया, तुर्कमेनिस्तान, सऊदी अरब, चीन, वियतनाम, ईरान, इक्वेटोरियल गिनी, बेलारूस और क्यूबा में सोशल मीडिया का खुलापन नहीं है, बल्कि पूरी तरह सरकार नियंत्रित है। लेकिन यहां नेपाल जैसा विद्रोह क्यों नहीं हुआ? नेपाल में बांग्लादेश जैसी परिस्थितियां भी शायद न बनें, कि ओली को देश छोड़कर भागना पड़ जाये। लेकिन जो कुछ हुआ, उसमें पहले ओली, फिर प्रचंड और अंत में सुप्रीम अदालत की जिम्मेदारी तो बनती है। प्रचंड ने तो केपी शर्मा ओली सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर बैन लगाने की आलोचना की थी।

लेकिन, प्रचंड भूल गए थे कि, 13 नवंबर, 2023 को सामाजिक सद्भाव पर बढ़ते प्रतिकूल प्रभावों का हवाला देते हुए उन्होंने ही टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया था? अगस्त, 2024 में टिकटॉक ने जब खुद को रजिस्टर किया, फिर उस पर से बैन हटा। इसी तरह, जुलाई, 2024 में 'टेलीग्राम' पर भी धोखाधड़ी और धन शोधन में इस्तेमाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था।

अब हिमालय बसाओ अभियान की जरूरत

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली

साठ के दशक में भारत में पहली बार 'हिमालय बचाओ' का नारा चर्चा में आया था। उस समय तक तिब्बत में चीन जम गया था। भारत-चीन युद्ध हो चुका था। स्वाभाविक था कि उस समय के हिमालय बचाओ अभियान के उद्देश्य प्रमुखतया सामरिक व सांस्कृतिक थे। इसमें पड़ोसी हिमालयी देशों में आपसी विश्वास व मेलजोल बनाना भी शामिल था। डॉ. राममनोहर लोहिया इस विचार के प्रवर्तकों में से एक थे। तिब्बत से एकजुटता को भी इससे जोड़ा गया। सत्तर के दशक में वैश्विक मंचों में पर्यावरण की बातें मुख्य मुद्दा बनने लगी थीं। 1970 व 80 के दशक में हिमालय में भी व्यावसायिक वन कटान तथा अंधाधुंध खनन से मानव व प्रकृति को होने वाले नुकसान के खिलाफ जन आन्दोलन प्रारंभ हुए। चमोली में सफल चिपको आन्दोलन हुआ।

मसूरी, देहरादून, टिहरी गढ़वाल में चूना खदानों से हिमालय व हिमालय वासियों को नुकसान के मद्देनजर खनिज खदानें बन्द करवाने को लेकर आन्दोलन हुए। पर्यावरणीय चेतना और टिहरी बांध विरोधी आन्दोलन के दौरान सुन्दरलाल बहुगुणा के आह्वान पर मई, 1992 में पुन: नये संदर्भों में 'हिमालय बचाओ' अभियान को जन्म दिया गया। इसके तहत टिहरी बांध जलाशय में समाहित पुरानी टिहरी के भागीरथी तट पर हिमालय से जुड़े सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक व वैज्ञानिक कार्यकर्ताओं का सम्मेलन हुआ। इस अभियान ने मुख्यतया हिमालयी वनों की तबाही रोकने की अपील की गई। आमजन को भी अनुभव होने लगा कि वन उपज और खनिज के लिए खोखला होता हिमालय अब उसके कुदरती जल संसाधनों के व्यावसायिक दोहन के कारण भी आघात ग्रस्त हो रहा है। उसके पारम्परिक जलस्रोत और नदियां सूख रही हैं। उसकी नदियों को कहीं मोड़ा जा रहा है, कहीं सुरंगों में डाला जा रहा है तो कहीं सुखाया जा रहा है। इक्कीसवीं सदी में हिमालय बचाओ अभियान में नदियों और नदी घाटियों को बचाने के मुद्दे प्रमुख बन गये हैं।

बीते दशकों में हिमालयी नदियों पर बने जलाशयी बांधों के कुप्रभावों का अनुभव विस्थापन व नदियों की उपजाऊ घाटियों को डुबाये जाने के परिणामों से होने लगा है। वर्ष 2012 की हिमालय लोक नीति के तैयार प्रारूप में कहा गया था कि अधिकतर हिमालयी राज्यों की सरकारों ने नदियों को रोककर विद्युत ऊर्जा बनाने के लिए सैकड़ों हाइड्रो प्रोजेक्ट निर्माण का बीड़ा उठा लिया है। लेकिन इन जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण से पहले जन जीवन पर असर व इनसे सम्पूर्ण हिमालयी जन-जीवन खतरे में पड़ता नजर नहीं आ रहा है। इन परियोजनाओं से आजीविका के प्राकृतिक संसाधनों का अतिक्रमण भी हो रहा है। इस समय हिमालयी क्षेत्रों में प्रस्तावित, निर्माणाधीन व निर्मित करीब 1000 हाइड्रो प्रोजेक्ट हैं। इनके कारण लोगों का बड़ी संख्या में विस्थापन चिंता की बात है। हिमालयी नीति, जिसे बनाने के लिए बार-बार केन्द्र पर दबाव डाला जाता रहा है, केवल हिमालय बचाओ नीति तक ही सीमित नहीं हो सकती है।

इसमें हिमालय बसाओ नीति की रणनीति का भी समावेश करना होगा। क्योंकि कई क्षेत्र सामरिक महत्व के भी हैं। हालांकि आये दिन जलवायु बदलाव व मानवीय लालच से आपदा झेलते भारतीय हिमालय में बसाओ का काम भी आसान नहीं। सूची में रोज ऐसे गांव-कस्बे जुड़ रहे हैं जो भूधंसाव व भूस्खलनों के कारण वहां के बाशिन्दों के लिए असुरक्षित हो गये हैं। विकास व पर्यावरण संरक्षण को लेकर स्थानीय समुदाय की आकांक्षाओं व आशंकाओं दोनों को नजरअन्दाज किया जा रहा है। यह मानव अधिकारों का भी मुद्दा है। निस्संदेह पहाड़ों के विकास और पहाड़ी जन के विकास में द्वंद्व को मिटाना होगा। यदि हिमालय के पहाड़ी गांवों को बचाना व बसाना है तो खेती को लाभकारी बनाना ही होगा। पहाड़ की खेती के लिए टेक्नोलॉजी व संसाधन पर खर्च बढ़ाना होगा। टेक्नोलॉजी व कृषि प्रसार के समय इसका भी ध्यान रखना होगा कि पहाड़ों में प्राथमिक किसान वहां की महिलाएं ही होती हैं। बड़े पैमाने पर जलागम प्रबंधन करना होगा। खेती के लिए जंगलों से स्थानीय जन को लघु वन उत्पादों को जरूरत भर लेने की छूट देनी होगी। पहाड़ी खेती में, सततता बनाये रखने को पचास प्रतिशत से ज्यादा वन संसाधनों का पारम्परिक उपयोग होता है। पहाड़ों को बसाने के क्रम में पहाड़ी कस्बों को बसाने की स्थानीय परिवेश के अनुरूप विशेष नीति, टेक्नोलॉजी, विज्ञान व मलमूत्र कचरा निस्तारण का ज्ञान अर्जित करना होगा, व उसे अमल में भी लाना होगा।

बाजारों व आपदा लाने की आशंका से रहित पहाड़ी सड़कें कैसे बनायी जा सकेंगी, इसकी हिमालयी विकास नीति में ठोस राह तय करनी होगी। पहाड़ों पर जो भार न बनें, ऐसे उद्योग तलाशने होंगे। मौसमी भविष्यवाणी तंत्र को स्थानीय पहुंच के अनुरूप भरोसमंद बनाना होगा। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में अलग-थलग पड़े होने के अहसास को कम करने के लिए किफायती मोबाइल टेलीफोन सुविधा का प्रसार भी आवश्यक है। संवेदनशील हिमालय आपदाओं का घर भी है। भूस्खलन, बादल विस्फोट, दावानल, बाढ़ जैसी बारम्बार आने वाली आपदाएं हैं। भूकम्प भी आते रहे हैं। जलवायु बदलाव हिमालय के तापक्रम को तेजी से बढ़ा रहा है। इससे आर्थिक, खाद्य व आवासीय सुरक्षा पर असर पड़ रहा है। इसके लिए हिमालय से बाहर रहने वालों की जरूरतें पूरी करने को हिमालय के अंगभंग की नीति ज्यादा जिम्मेदार हैं।

झुर्रियां राहत के लिए ट्राई करें ये रामबाण नुस्खे

अकसर उम्र बढ़ने के साथ आंखों के आसपास झुर्रियां यानी क्रोज फीट नजर आने लगते हैं, इसके अलावा आजकल का खानपान इतना खराब हो गया है, जिसका असर सेहत के साथ-साथ त्वचा पर भी दिखता रहता है। कम उम्र में ही लोगों के चेहरे पर थकान के साथ-साथ झुर्रियां दिखने लगी हैं। क्रोज फीट यानी आंखों के आसपास की झुर्रियों के बारे में ऐसा माना जाता है कि ये बढ़ती उम्र की निशानी हैं। पर ऐसा नहीं है। असल में यह त्वचा के ड्राय होने के कारण होती हैं। अगर आपकी त्वचा नर्म और मुलायम है तो उम्र बढ़ने के बाद भी नहीं होंगी। पर अगर किन्हीं कारणों से आपकी त्वचा शुष्क यानी रूखी हो गई है तो यह उम्र से पहले भी दस्तक दे सकती हैं। वैसे तो इन झुर्रियों को खत्म करने के लिए तमाम क्रीमें बाजार में आती हैं, जो कुछ दिन तक तो अपना असर दिखाती हैं, पर, जब आप क्रीम का इस्तेमाल बंद कर देंगे तो चेहरा दोबारा से वैसा ही हो जाएगा। इसलिए कई बार दादी-नानी के नुस्खे भी आजमाकर देख लेने चाहिए। इसलिए कुछ ऐसे नुस्खें हैं जिनके इस्तेमाल से आपका चेहरा खिल उठेगा और झुर्रियों से भी आपको छुटकारा मिल जाएगा।

नारियल तेल

हर भारतीय घर में नारियल तेल आपको बड़ी ही आसानी से मिल जाएगा। इसके इस्तेमाल से आप चेहरे की झुर्रियों को कम कर सकते हैं। इसके लिए आपको हर रोज चेहरे पर नारियल के तेल की मालिश करनी है। ये आपकी त्वचा को हाइड्रेट करके उसमें कसाव लाता है, जिससे झुर्रियां कम हो जाती हैं। क्योंकि नारियल तेल में अपने खुद के गुड फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज मौजूद होती हैं। जिसके कारण, यह एक नेचुरल मॉइस्चराइजर की तरह भी काम करता है जो स्किन को गहराई तक पोषण देता है। नारियल के तेल में लॉरिक एसिड और विटामिन-ई की मात्रा भी अधिक होती है, जो आपकी स्किन को सुधारने का काम करती है।

एलोवेरा जेल और खीरा

एलोवेरा और खीरा, जब से हम याद कर सकते हैं, हमारे जीवन का अभिन्न अंग रहे हैं। इन खूबसूरत सामग्रियों के गुणों का बखान करना असंभव है। एवरीथ नेचुरल्स नरिशिंग एलोवेरा और खीरा जेल एक अद्भुत उत्पाद है और हर किसी की त्वचा की देखभाल की दिनचर्या में शामिल होना ज़रूरी है। यदि आपके चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगी हैं तो बराबर मात्रा में एलोवेरा जेल और खीरे का रस मिलाएं। अब इस मिश्रण को हर दिन अपने चेहरे पर अप्लाई करें। बीस मिनट इसे ऐसे ही लगा रहने दें। 20 मिनट के बाद चेहरे को धो लें और कुछ ही दिन में इसका असर देखें।

कच्चा दूध और शहद

आपके घर पर भी कच्चा दूध रखा है तो हर दिन उसके इस्तेमाल से अपने चेहरे को चमकाएं। इसके लिए आपको एक चम्मच कच्चे दूध में एक चम्मच शहद मिक्स करना है। अब इस मिश्रण को 20 मिनट के लिए अपने चेहरे पर अप्लाई करें। इस पेस्ट से स्किन स्मूद, सॉफ्ट और झुर्रियों से मुक्त दिखने लगेगी। क्योंकि शहद और दूध में एंटीमायक्रोबियल होते हैं यानी ये दोनों में ही रोगाणुरोधी गुण होते हैं, इसलिए ये चेहरे के लिए बेहतरीन क्लींजर है। इसके अलावा, दूध में लैक्टिक एसिड, जो कि एक अल्फा-हाइड्रॉक्सी एसिड होता है, जो स्किन से डेड सेल्स को रिमूव करने का काम करता है।

अंडा

मुलायम और चमकदार स्किन पाने के लिए अक्सर हम महंगे से महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन केमिकल वाले ये प्रोडक्ट्स आपकी स्किन को तुरंत ग्लो तो दे देते हैं, लेकिन थोड़े समय के बाद आपकी स्किन डैमेज होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी स्किन पर नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करें। जैसे यदि आपको अंडे के इस्तेमाल से किसी तरह का परहेज नहीं है तो चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए अंडे का इस्तेमाल करें। इसके लिए आपको अंडे की सफेदी की जरूरत पड़ेगी। इसके इस्तेमाल के लिए अंडे की सफेदी को निकालकर इसे 15-20 मिनट के लिए चेहरे पर अप्लाई करें। अब चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। ये भी त्वचा को टाइट करने का काम करता है।

हंसना मना है

बड़ी दुविधा होती रही थी जब- बायोलॉजी के टीचर ने पढाया- सेल मतलब 'शरीर की कोशिकाएं'। फिजिक्स के टीचर ने पढ़ाया- सेल मतलब 'बैटरी', इकोनॉमिक्स के टीचर ने पढ़ाया- सेल मतलब 'बिक्री', हिस्ट्री के टीचर ने पढ़ाया - सेल मतलब 'जेल', अंग्रेजी के टीचर ने पढ़ाया- सेल मतलब 'मोबाइल' और सच्चा ज्ञान तब मिला जब पत्नी ने बताया सेल मतलब साड़ियों पर 'डिस्काउंट'!

आज एक भाई मिले, मुझे कहा- पहचानते हो? मैंने कहा- याद नहीं आ रहा श्रीमान.. फेसबुक या व्हॉट्सएप? उसने कहा-12 साल से आपके सामने रहता हूं!

बैंक लुटने के बाद डाकू - तुमने मुझे देखा? कलर्क - हां। डाकू ने कलर्क को गोली मार कर एक आदमी से पुछा - तुमने कुछ देखा, आदमी - नहीं, पर मेरी पत्नी ने देखा है, साथ में कह रही है, पुलिस को भी बतायेगी।

आंटी- बेटी तुम वही हो न जो फ्रॉक से नाक पोंछती थी, लड़की - नहीं, आंटी मैं वो हूं जिससे आप पड़ोस वाले अंकल को लव लेटर भिजवाती थी। कुछ याद आया..

कहानी | पांच मिनट का जीवन

एक बार एक व्यक्ति को रास्ते में यमराज मिल गये वो व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं सका। यमराज ने पीने के लिए व्यक्ति से पानी मांगा, बिना एक क्षण गंवाए उसने पानी पिला दिया। पानी पीने के बाद यमराज ने बताया कि वो उसके प्राण लेने आये हैं लेकिन चूंकि तुमने मेरी प्यास बुझाई है इसलिए मैं तुम्हें अपनी किस्मत बदलने का एक मौका देता हूं। यह कहकर यमराज ने एक डायरी देकर उस आदमी से कहा कि तुम्हारे पास 5 मिनट का समय है। इसमें तुम जो भी लिखोगे वही हो जाएगा लेकिन ध्यान रहे केवल 5 मिनट। उस व्यक्ति ने डायरी खोलकर देखा तो उसने देखा कि पहले पेज पर लिखा था कि उसके पड़ोसी की लॉटरी निकलने वाली है और वह करोड़पति बनने वाला है। उसने वहां लिख दिया कि उसके पड़ोसी की लॉटरी न निकले। अगले पेज पर लिखा था कि उसका एक दोस्त चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है, तो उसने लिख दिया कि उसका दोस्त चुनाव हार जाए। इस तरह, वह पेज पलटता रहा और अंत में उसे अपना पेज दिखाई दिया। जैसे ही उसने कुछ लिखने के लिए अपना पेन उठाया यमराज ने उस व्यक्ति के हाथ से डायरी ले ली और कहा वत्स तुम्हारा पांच मिनट का समय पूरा हुआ, अब कुछ नहीं हो सकता। तुमने अपने पूरे 5 मिनट का समय दूसरों का बुरा करने में व्यतीत कर दिया और अपना जीवन खतरे में डाल दिया, अंततः तुम्हारा अंत निश्चित है। यह सुनकर वह व्यक्ति बहुत पछताया लेकिन सुनहरा मौका उसके हाथ से निकल चुका था।

शिक्षा - यदि ईश्वर ने आपको कोई शक्ति प्रदान की है तो कभी किसी का बुरा न सोचे, और न ही बुरा करें। दूसरों का भला करने वाला सदा सुखी रहता है और ईश्वर की कृपा सदा उस पर बनी रहती है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

वृषभ व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा।

मिथुन विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

कर्क बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है।

सिंह मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे।

वृश्चिक राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे।

धनु संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें।

मकर किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है।

कुम्भ बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अति व्यस्तता रहेगी।

मीन मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

25 सितंबर से अमेजन प्राइम पर आयेगा ट्विंकल और काजोल का नया शो टू मच

बॉलीवुड में टॉक शो और पॉडकास्ट का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। अब बहुत जल्द ट्विंकल खन्ना और काजोल भी अपना नया टॉक शो लेकर आ रही हैं। इसका नाम टू मच है। शो की थीम की बात करें तो इसमें होस्ट काजोल और ट्विंकल खन्ना सेलेब्स के साथ बिना किसी लाग-लपेट के बेबाक बातचीत करेंगी। इस दौरान कई ज्ञानवर्धक चर्चाएं भी की जाएंगी।

यह शो बिना किसी स्क्रिप्ट के ईमानदारी, तीखे नजिरए और ह्यूमर से भरे भरपूर विचारशील चर्चाओं जैसे विषयों पर केंद्रित है। अब इसकी प्रीमियर डेट भी आ गई है। शो 25 सितंबर, 2025 से अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगा।

अमेजन प्राइम ने इसका एक मजेदार पोस्टर शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, चीजें कुछ ज्यादा ही होने वाली हैं टूमच ऑनप्राइम, नया टॉक

शो, 25 सितंबर। यह शो मनोरंजन और प्रामाणिक बातचीत के मेल से एक रोमांचक, अभिनव और प्रासंगिक अनुभव प्रदान करने का वादा करता है। इस शो को कोहलर और कल्याण ज्वैलर्स द्वारा सह-प्रस्तुत किया जा रहा है। खबर है कि सलमान खान और आमिर खान साथ में शो पर शिरकत कर सकते हैं। इसके अलावा कई बड़े नाम जैसे शाह रुख खान और अक्षय कुमार भी इसकी गेस्ट लिस्ट में शामिल हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो सलमान और आमिर खान ने इसकी शूटिंग भी खत्म कर ली है। फैंस लंबे समय के बाद अपने फेवरेट स्टार को साथ में देखने के लिए एक्साइटेड हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल आखिरी बार विशाल फुरिया की फिल्म मांमें देखा गया था। में नज़र आई थीं। फिल्म में काजोल ने अंबिका का किरदार निभाया था जो अपनी बेटी को बचाने के लिए राक्षसी शक्तियों से लड़ जाती है। यह फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

जॉली एलएलबी 3 का ट्रेलर रिलीज, फैंस की फिल्म को लेकर बढ़ी उत्सुकता

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब ट्रेलर सामने आने के बाद फैंस की फिल्म को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

3 मिनट 5 सेकंड के इस ट्रेलर में किसानों का दर्द दिखाया गया है। इस बार कहानी किसानों के इर्द-गिर्द घूमती है। जहां एक बड़ा आदमी है, जो किसानों की जमीन हड़प रहा है। दूसरी ओर छोटे किसान हैं, जो अपनी जमीन बचाने के लिए जॉली के पास पहुंचते हैं। पहले जहां किसान अक्षय कुमार के पास पहुंचते हैं, वहीं बाद में गेम पलट जाता है। ट्रेलर देखकर ऐसा मालूम पड़ता है कि जॉली 1 यानी अरशद वारसी जहां किसानों का केस लड़ रहे हैं और किसानों के वकील हैं। वहीं अक्षय कुमार उस बड़े आदमी यानी गजराज राव के वकील हैं। पिछली दो फिल्मों की तरह इस बार भी कहानी में कॉमेडी और फन के साथ इमोशनल एंगल और सामाजिक मुद्दे को भी उठाया गया है।

ट्रेलर में फिल्म की बाकी कास्ट भी झलक देखने को मिली है। 'जॉली एलएलबी 3' में गजराज राव एक बार फिर बिल्कुल अलग अंदाज में नडर आ रहे हैं। वो फिल्म में निगेटिव किरदार निभा रहे हैं। वहीं हुमा कुरैशी और अमृता राव अपने-अपने पहले के किरदारों में ही दिखेंगी। हुमा जहां अक्षय कुमार की पत्नी बनी हैं, वहीं अमृता अरशद वारसी की पत्नी के रोल में हैं। इसके अलावा इस बार सीमा बिस्वास भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगी।

सुभाष कपूर द्वारा निर्देशित 'जॉली एलएलबी 3' 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म में अक्षय कुमार और अरशद वारसी के अलावा सौरभ शुक्ला, हुमा कुरैशी, अमृता राव, गजराज राव और सीमा बिस्वास सरीखे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'जॉली एलएलबी 3' इस कोर्ट रूम ड्रामा फ्रेंचाइजी की तीसरी किश्त है। इससे पहले फिल्म के दो पार्ट रिलीज हो चुके हैं। पहले पार्ट में जहां अरशद वारसी जॉली बने थे, जो मेरठ से आता है। जबकि दूसरे पार्ट 'जॉली एलएलबी 2' में अक्षय कुमार जॉली के किरदार में नजर आए थे। यह जॉली कानपुर से आता है। अब फिल्म के तीसरे पार्ट में दोनों ही जॉली पहली बार एकसाथ नजर आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

'सन ऑफ सरदार 2' में खुद को दरकिनार किए जाने पर भावुक हुईं सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा सन ऑफ सरदार फिल्म का हिस्सा थीं, जिन्हें दर्शकों ने काफी प्यार दिया था। हालांकि उन्हें सन ऑफ सरदार 2 में मेकर्स ने जगह नहीं दी। उनकी जगह फिल्म में मृणाल ठाकुर ने मुख्य भूमिका निभाई। अब सोनाक्षी ने इस फिल्म के दूसरे भाग में अपनी अनुपस्थिति पर सफाई दी है। आइए जानते हैं कि आखिर क्या है कारण। सोनाक्षी सिन्हा ने सन ऑफ सरदार 2 में हिस्सा ना होने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'जहां तक मैं देख सकती हूं कि सन ऑफ सरदार 2 फिल्म के लिए वे विदेश गए थे। इसलिए वही किरदार कहानी का हिस्सा नहीं हो सकता था। आप केवल इसके लिए अपमानित महसूस नहीं कर सकते। आपको व्यावहारिक होना होगा और प्रत्येक फिल्म को एक अलग प्रोजेक्ट के रूप में लेना होगा।' सन ऑफ सरदार 2 फिल्म में अजय देवगन के साथ मृणाल ठाकर मुख्य भूमिका में थीं। इस फिल्म को विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित किया गया था। वही इस कॉमेडी ड्रामा में रवि किशन, विंदू दारा सिंह और संजय मिश्रा जैसे कलाकार भी मौजूद थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा की आगामी फिल्म जटाधारा है। इस फिल्म से सोनाक्षी सिन्हा का लुक भी सामने आ चुका है, जो उनके फैन्स को काफी पसंद भी आया। फिल्म में एक्ट्रेस के साथ साउथ एक्टर सुधीर बाबू लीड रोल में दिखाई देंगे। इसके अलावा सोनाक्षी को आखिरी बार निकिता रॉय में देखा गया था। इस फिल्म को कुश सिन्हा द्वारा निर्देशित किया गया था। फिल्म में सोनाक्षी ने एक ऐसी महिला की भूमिका निभाई थी, जो टूटी हुई भी है, जिद्दी भी और कहीं न कहीं अपनी ही सोच में खोई हुई है।

नवजात बच्ची को कमरे में किया कैद, 6 साल बाद बचाने पहुंची पुलिस, नजारा देख उड़े होश!

दुनिया में अमानवीय अपराध कई तरह के होते हैं। उनमें कुछ बहुत ही खौफनाक होते हैं। वहीं कुछ इतने ज्यादा हैरान करते हैं कि लगता है कि आखिर ऐसा कोई करता ही क्यों होगा। खास तौर से ऐसा तब ज्यादा होता है जब हम पाते हैं कि जघन्य अपराध करने वाला कोई और नहीं बल्कि माता पिता ही हैं। ऐसे में हैरानी होती है कि अपनी ही संतान पर बिलकुल भी रहम नहीं आता। ब्राजील में एक अनोखा मामला सामने आया है जिसमें एक माता पिता हैवान बन गए और अपनी ही बच्ची को पैदा होने के बाद छह साल तक एक ही कमरे में रखा और उसे केवल तरल खुराक पर ही रखा। इतना ही नहीं ऐसा करने की ना तो उनकी कोई मजबूरी थी और ना ही उन्हें कोई अफसोस था। ब्राजील के साओ पाउलो राज्य के सोरोकाबा में एक घर में जब पुलिस वाले एक गुमनाम शिकायत के बाद जांच करने पहंचे तो उन्होंने पाया कि एक अंधेरे और डरावने कमरे में यह बच्ची ताले में बंद थी। माना जा रहा है कि इस बच्ची ने अपना अब तक का छह साल का पूरा जीवन ही केवल इसी कमरे में बिताया है। इसके बाद वहां मीडिया में जारी हुई तस्वीरों ने सनसनी फैला दी। इन तस्वीरों में से कुछ में तो दीवार बच्ची की पीठ तक के निशान दिखाई देते थे। पुलिस के मुताबिक बच्ची को ना तो जरूरी टीके लगवाए गए थे और ना ही वह कुछ बोल पा रही थी। बाल संरक्षण सलाहकार लिगिया गुएरा ने बयान में कहा, बच्ची की हालत बहुत ही खराब थी और वह हर चीज़ से बहुत ही ज्यादा भ्रमित भी थी। यहां तक कि लग रहा था कि उसके बाल जिंदगी में कभी नहीं धुले होंगे। गुएरा ने बताया कि बच्ची ने उस दिन कुछ भी नहीं खाया था। पुलिस ने बाद में खुलासा किया कि बच्ची को केवल तरल खुराक पर ही जिंदा रखा गया था। बताया जा रहा है कि बच्ची ने काउंसलर्स और पुलिस अधिकारियों से केवल असामान्य आवाजों में बातचीत की थी। घर से बरामद करने के बाद बच्ची को चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उससे भी अजीब हाल तो बच्ची के माता पिता का था। उन्हें पकड़ा कर गैरकानूनी तौर से बच्ची को बंधक बनाने का आरोप लगाया गया है और वे दोनों फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं।

अजब-गजब | लोगों की खुशियों को समझने निकला युवक

499 दिनों में 195 देशों का किया सफर

हर देश की संस्कृति को जानने का सपना बहुतों का होता है, लेकिन ग्रीक-अमेरिकन ग्लोबट्रॉटर माइकल ज़र्वोस ने इसे हकीकत में बदल दिया तीन साल पहले उन्होंने दुनिया घूमने का फैसला किया और 499 दिनों में 195 देशों का सफर तय कर इतिहास रच दिया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने सैकड़ों लोगों से एक ही सवाल पूछा- आपकी ज़िंदगी का सबसे खुशहाल दिन कौन सा था? माइकल का सफर सिर्फ रिकॉर्ड बनाने के लिए नहीं था, बल्कि वे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लोगों की सोच और खुशियों को समझना चाहते थे। एक पूर्व फिल्म मेकर रहे माइकल ने हाल ही में मिरर वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इतनी तेज़ रफ्तार यात्रा के चलते उन्हें हर संस्कृति की झलक भर देखने को मिली, लेकिन कुछ बातें गहराई तक छू गईं।

अफ्रीकी देश लाइबेरिया में माइकल का अनुभव बेहद खराब रहा। उन्होंने वहां एक सरकारी इमारत की फोटो खींच ली, जबकि वहां ऐसा करने पर रोक का कोई बोर्ड नहीं था। बाद में यह एक पैसों से जुड़ी चाल निकली। जब माइकल ने पैसे देने से इनकार किया, तो उन्हें जेल ले जाया गया। इसके अलावा स्थानीय बाज़ारों में भी उन्हें असहज महसूस हुआ। हज़ारों लोग उन्हें घूरने लगते, मानो कह रहे हों- तुम यहां के नहीं हो, यहां क्यों आए

हो? यह माहौल उन्हें डरावना लगा।

माइकल ने बताया कि गुयाना की राजधानी जॉर्जटाउन के स्टैब्रोक मार्केट का अनुभव मानो किसी हॉरर फिल्म जैसा था। स्थानीय लोगों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि वहां ड्रग्स और आपत्तिजनक काम खुलेआम होते हं। जैसे ही वे अंदर गए, उन्होंने एक अजनबी शख्स को लगातार उन्हें घूरते पाया। उन्होंने रास्ता बदला तो वह शख्स उनके पीछे-पीछे चलने लगा। माइकल को तुरंत वहां से निकलना पड़ा। ब्रिटेन के फॉरेन ऑफिस ने भी चेतावनी दी है कि जॉर्जटाउन और उसके आसपास के इलाके बेहद खतरनाक हैं। वहां अपराध दर बहुत ऊंचा है और पुलिस की क्षमता कम। आए दिन डकैती, लूट, कारजैकिंग और हथियारों से लैस अपराध होते हैं। पर्यटकों को अक्सर निशाना बनाया जाता है, खासकर उन लोगों को जो अमीर नज़र आते हैं।

कुछ अनुभव डरावने रहे, लेकिन कई जगहों ने माइकल का दिल भी जीत लिया। इनमें से एक था मेडागास्कर। उन्होंने बताया कि यहां के लोग, खाना, कला और भूगोल सब कुछ अफ्रीका के बाकी हिस्सों से अलग और अनोखा लगा। द्वीप होने की वजह से यहां की जैव विविधता समृद्ध है। लोग बेहद ईमानदार और मुस्कुराते हुए चेहरे लिए मिलते हैं, जिन्हें कैमरे में कैद करना बेहद अच्छा लगा। माइकल ने मेडागास्कर के खानपान को भी अलग अनुभव बताया। यहां इंडोनेशियाई और भारतीय व्यंजनों का मिश्रण मिलता है। मसालेदार, तली हुई डिशेस, कोकेट्स और फिटर्स यहां आम हैं। भाषा भी बाकी जगहों से काफी भिन्न है। उन्होंने कहा कि यहां लोगों से खुशियों के बारे में पूछना मानो जीवन को अनफ़िल्टर्ड तरीके से देखने जैसा था। यूरोप में लिकटेंस्टाइन माइकल के लिए सबसे बड़ा सरप्राइज रहा। लोग इसे उबाऊ देश कहते हैं, लेकिन माइकल को यह बेहद खूबसूरत लगा। आल्प्स के बीच बसा यह छोटा-सा देश उन्हें उस समय और अच्छा लगा जब यहां लेंट की शुरुआत का त्योहार मनाया जा रहा था।

निकाय चुनावों से पहले गरमाई मराठा राजनीति

ठाकरे भाईयों में बढ़ी नजदीकी राज से दूसरी बार मिले उद्धव

» शिवसेना (उबाठा) और मनसे में गठबंधन की अटकलें तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे अपने चचरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे से यहां उनके आवास पर मिलने पहुंचे। निकाय चुनावों से पहले दोनों दलों में गठबंधन की अटकलों के बीच दोनों पार्टी प्रमुखों और उनके नेताओं की बैठक मुंबई में दादर स्थित राज ठाकरे के आवास 'शिवतीर्थ' पर आयोजित की गई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के नेताओं ने सोमवार को उद्धव ठाकरे से मुलाकात की, जिसमें शिवसेना (उबाठा) और मनसे के बीच संभावित गठबंधन का मुद्दा उठा।

शिवसेना (उबाठा) की सहयोगी कांग्रेस के नेताओं ने तब कहा था कि वे इस मुद्दे पर अपने आलाकमान से चर्चा करेंगे। पिछले दो हफ्तों में दोनों चचेरे भाइयों के बीच यह दूसरी सार्वजनिक मुलाकात थी। उद्धव पिछले महीने गणेश उत्सव के अवसर पर 'शिवतीर्थ' गए थे। महाराष्ट्र सरकार द्वारा मराठी भाषी बहुल राज्य में हिंदी थोपे जाने के आरोपों के बीच कक्षा पहली से पांचवीं तक के छात्रों के लिए 'तीन-भाषा' फार्मूले पर अपने विवादास्पद आदेश को वापस लिए जाने के बाद, उद्धव और राज पांच जुलाई को मुंबई में अपनी 'जीत' का जश्न मनाने के लिए मंच पर एक साथ आए थे। राज्य में धन-संपन्न बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) समेत आगामी स्थानीय निकाय में चुनावों के मद्देनजर दोनों पार्टियों ने गठबंधन बनाने के पर्याप्त संकेत दिए हैं लेकिन अभी तक औपचारिक गठबंधन की घोषणा नहीं की गई है। अगर ऐसा होता है तो भाजपा उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी होगी।

दोनों भाइयों के मन में क्या है मुझे नहीं पता : फडणवीस

ठाकरे परिवार के बीच हुई हालिया बैठक के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनके पास यह समझने के लिए कोई तंत्र नहीं है कि दोनों भाइयों के मन में क्या है। फडणवीस ने नासिक में संवाददाताओं से कहा, मैं किसी से नहीं मिला और मुझे नहीं पता कि उन्होंने क्या कहा। मेरे पास यह समझने की कोई तकनीक नहीं है कि उनके मन में क्या है। मुझे उनकी बैठक के बारे में कुछ नहीं पता।

राजनीतिक पहलू पर कुछ नहीं बोले राउत

शिवसेना सांसद संजय राउत ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि उद्धव ठाकरे राज की मां कुंडा से मिलने 'शिवतीर्थ' गए थे और कुंडा उनकी 'मां की बहन' हैं, लेकिन उन्होंने मुलाकात के राजनीतिक पहलू पर ज्यादा कुछ नहीं कहा।

पीएमके संस्थापक डॉ. एस. रामदास ने बेटे को पार्टी से निकाला

» कारण बताओ नोटिस का जवाब न देने पर थे नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक डॉ. एस. रामदास ने पार्टी में एक बड़ा कदम उठाते हुए अपने बेटे और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष अंबुमणि को पार्टी से निकाल दिया है। साथ ही अंबुमणि को कार्यकारी अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया है। डॉ. रामदास ने कहा कि अंबुमणि को पहले ही कारण बताओ नोटिस भेजा गया था, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। रामदॉस ने आरोप लगाया कि अंबुमणि पार्टी को कमजोर करने की कोशिश कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने कहा, हमें लगता है कि उनके पास किसी तरह का कोई भी स्पष्टीकरण है और वह हमारे आरोपों को स्वीकार करते हैं। अभी तक अंबुमणि की ओर से इस फैसले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पीएमके में यह घटनाक्रम तमिलनाडु की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है। पारिवारिक विवाद से राजनीतिक संकट तक पिता-पुत्र के बीच यह विवाद पिछले एक साल से चला आ रहा था। दरअसल इस पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब डॉ. रामदास ने अपने नाती मुकुंदन को पार्टी की युवा इकाई का प्रमुख नियुक्त किया। उनके इस फैसले से नाराज़ अंबुमणि ने सार्वजनिक रूप से विरोध किया और एक बैठक में माइक पटककर बाहर निकल गए. इसके बाद पार्टी में नेतृत्व को लेकर संघर्ष शुरू हो गया. डॉ. रामदॉस ने पार्टी अध्यक्ष का पद फिर से संभाल लिया और अंबुमणि को कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया।

225 पीआरवी कर्मी और 3 कॉल टेकर सम्मानित

» आत्महत्या रोकथाम दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर राजधानी लखनऊ में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक यूपी-112 नीरा रावत ने आत्महत्या रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 225 पीआरवी कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसी अवसर पर जीवन रक्षक कॉल पर काउन्सलिंग कर अमूल्य जीवन बचाने वाली तीन संवाद अधिकारियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यूपी-112 की स्थापना से अब तक लगभग 41,580 से अधिक आत्महत्या संबंधी सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पीआरवी कर्मियों ने अनगिनत लोगों की जान बचाई है।

पीआरवी कर्मी मानसिक स्वास्थ्य संवेदनशीलता, काउंसलिंग, प्राथमिक उपचार और सीपीआर देने में प्रशिक्षित होते हैं। परिणामस्वरूप आत्महत्या के प्रयासों जैसे फांसी लगाने, नदी या तालाब में कूदने, रेलवे लाइन पर बैठने, पानी की टंकी और ऊंची इमारत से छलांग लगाने जैसे मामलों में पुलिस कर्मियों ने समय रहते घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को बचाया और काउन्सलिंग कर सकुशल परिजनों को सुपुर्द किया।

» उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने की कांग्रेस विधायक को ईडी के गिरफ्तार करने की निंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि कोई परिस्थिति ऐसी नहीं थी कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कांग्रेस विधायक सतीश सैल को गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के नेताओं को 'राजनीतिक कारणों से चुनिंदा तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। ईडी ने राज्य में कथित अवैध लौह अयस्क निर्यात से जुड़े धन शोधन मामले में सैल को गिरफ्तार किया। शिवकुमार ने कहा, इस मामले में 2010 से ही चीजें चल रही हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार से विधायक 59 वर्षीय सैल को मंगलवार देर रात ईडी के बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के बाद हिरासत में ले लिया गया। वह हाल के हफ्तों में केंद्रीय एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किए जाने वाले कर्नाटक कांग्रेस के दूसरे विधायक हैं। पिछले महीने, ईडी ने कथित अवैध सट्टेबाजी से जुड़े धन शोधनमामले में चित्रदुर्ग के विधायक के. सी. वीरेंद्र पप्पी को गिरफ्तार किया था। सेल के खिलाफ मामला कथित तौर पर उनसे जुड़ी एक कंपनी द्वारा लौह अयस्क के अवैध निर्यात से संबंधित है। ईडी की जांच 2010 के कर्नाटक लोकायुक्त मामले से जुड़ी है, जिसमें बेल्लारी से बेलेकेरी बंदरगाह तक लगभग आठ लाख टन लौह अयस्क का अवैध परिवहन होने का पता चला था।

राजस्थान सरकार के खिलाफ जनता में गुस्सा : डोटासरा

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सरकार के खिलाफ जनता का गुस्सा पहले कभी इतना ज्यादा नहीं था। राजस्थान के कोटा में कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ मार्च निकाला। नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपना पहला चुनाव झूठे वादों के दम पर, दूसरा बालाकोट हवाई हमलों में सेना के पराक्रम का इस्तेमाल करके और तीसरा "वोट चोरी" करके जीता।किशोर सागर तालाब से कोटा जिला कलेक्ट्रेट तक जन आक्रोश रैली के दौरान डोटासरा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के रीय सचिव धीरज गुर्जर और पार्टी नेता प्रहलाद गुंजल एक खुली जीप में सवार थे। हज़ारों पार्टी कार्यकर्ता बैनर, तख्तियां और झंडे लेकर सत्तारूढ़ सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए शामिल हुए। रैली का आयोजन कोटा शहर और ग्रामीण कांग्रेस कमेटी ने किया था।

एशिया कप : भारत ने जीत के साथ की शुरूआत

» महज 27 गेंदों में लक्ष्य किया हासिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम ने एशिया कप में धमाकेदार आगाज किया है। भारत ने यूएई को नौ विकेट से रौंदकर टूर्नामेंट में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की है। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया, जिसके आगे यूएई के बल्लेबाज एक पल भी चुनौती पेश नहीं कर सके। नौवें ओवर में कुलदीप यादव ने कमाल दिखाया और एक ही ओवर में तीन विकेट झटके।

यूएई के खिलाफ कुलदीप का दिखा दम

जिसकी वजह से यूएई की टीम 13.1 ओवर में सिर्फ 57 रन बना पाई जिसके जवाब में भारतीय टीम ने 4.3 ओवर यानी महज 27 गेंदों में एक विकेट पर 60 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत के लिए अभिषेक शर्मा ने 16 गेंदों में 30 रन बनाए। वहीं, शुभमन गिल (20) और सूर्यकुमार यादव (7) नाबाद रहे। यूएई के लिए जुनैद सिद्दीकी ने एक विकेट झटका। यूएई की टीम भारत के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य नहीं रख सकी और कम स्कोर का पीछा करते हुए भारत ने आक्रामक शुरुआत की। जिसके चलते भारत और यूएई के बीच एशिया कप के ग्रूप ए का मुकाबला महज 106 गेंदों पर ही समाप्त हो गया। यूएई की पारी 79 गेंदों पर सिमट गई, जबकि भारत ने लक्ष्य हासिल करने में 27 गेंदों का सहारा लिया। इस तरह दोनों पारियां मिलाकर 106 गेंदों पर मैच खत्म हो गया।

यूएई ने बनाया एशिया कप टी20 का दूसरा न्यूनतम स्कोर

दुबई। भारतीय टीम ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से एशिया कप के अपने पहले मैच में दमदार प्रदर्शन किया है। भारत ने यूएई की पारी 13.1 ओवर में 57 रन पर ऑलआउट कर दी। यह किसी टीम का एशिया कप टी20 में दूसरा न्यूनतम स्कोर है। यूएई ने इस मामले में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले यूएई की टीम इस टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ 2016 में नौ विकेट पर 81 रन बना चुकी है।

मोदी के भागवत की तारीफ से मचा सियासी बवाल

» विपक्ष ने भाजपा को आड़े हाथों लिया

» कांग्रेस का आरोप- भूल गए गांधी का सत्याग्रह

» आरएसएस नेतृत्व को खुश करने के लिए बेताब हैं प्रधानमंत्री मोदी : जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संघ प्रमुख मोहन भागवत की तारिफ कर पीएम मोदी विपक्ष के निशाने पर आ गए है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर लिखे अतिरंजित लेख के माध्यम से आरएसएस नेतृत्व को खुश करने की बेताब कोशिश करने का आरोप लगाया है। जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री द्वारा अपने लेख में महात्मा गांधी के सत्याग्रह आह्वान का उल्लेख न करने पर तीखी आलोचना की, इसे सत्य शब्द से उनकी अपरिचयता से जोड़ा।

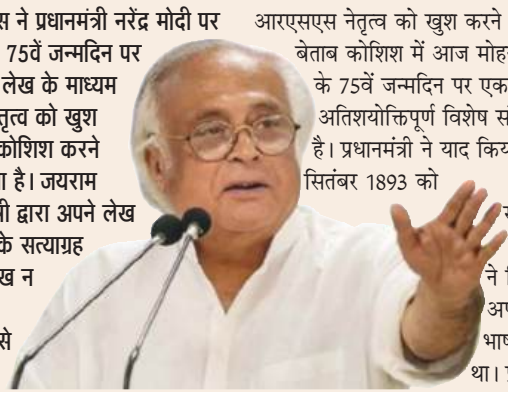

कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आरएसएस नेतृत्व को खुश करने की अपनी बेताब कोशिश में आज मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर एक अतिशयोक्तिपूर्ण विशेष संदेश लिखा है। प्रधानमंत्री ने याद किया कि 11 सितंबर 1893 को स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में अपना अमर भाषण दिया था। प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में अल-कायदा के आतंकी हमले हुए थे। कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि लेकिन हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री ने यह जिक्र नहीं किया कि 11 सितंबर 1906 को महात्मा गांधी ने जोहान्सबर्ग में पहली बार सत्याग्रह का आह्वान किया था। उसी समय दुनिया ने पहली बार इस क्रांतिकारी विचार को सुना था। बेशक, प्रधानमंत्री से सत्याग्रह की उत्पत्ति को याद रखने की उम्मीद करना बहुत ज्यादा हो जाता है, क्योंकि सत्य शब्द ही उनके लिए अपरिचित है। प्रधानमंत्री, जो स्वयं को नॉन-बायलॉजिकल बताते हैं, अपने प्रवचनों को ऐसे प्रस्तुत करते हैं मानो वे स्वयं गॉड-से हों।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने जयराम रमेश पर कसा तंज

चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस चुनाव में पूरा विपक्ष एक साथ और मजबूती से खड़ा रहा। जयराम रमेश की इस प्रतिक्रिया पर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने टिप्पणी की। उन्होंने कांग्रेस नेता की प्रतिक्रिया पर तंज कसते हुए लिखा कि अब तक कांग्रेस कई नैतिक चुनाव जीत चुकी है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर मौर्य ने लिखा कि अपनी हर एक हार में नैतिक विजय खोजने में महारत हासिल कर चुकी है कांग्रेस. उसका यह जज्बा आगे भी बना रहना चाहिए। दरअसल, 2014 से कांग्रेस इतने ज्यादा नैतिक चुनाव जीत चुकी है कि राजनीतिक व चुनावी पंडित भी उसका रिकॉर्ड रखने में घबराने लगे हैं। केशव ने लिखा कि चुनाव में अपनी हार को कांग्रेस के स्वयंभू बुद्धिजीवी जयराम रमेश ने एक बार फिर नैतिक विजय करार दिया है. कांग्रेस को अपनी इन नैतिक जीतों के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कायल होना चाहिए, जिनके कारण वह नैतिक विजय का रिकॉर्ड-पर-रिकॉर्ड बना रही है।

कांग्रेस नेता उदित राज के बयान पर बीजेपी भड़की

भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कांग्रेस नेता उदित राज को घेरा है। दरअसल उदित राज ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा था कि भारत में भी नेपाल जैसे हालात हैं, लेकिन हमारा संविधान ऐसा करने से रोकता है। उन्होंने कहा कि भारत में कांग्रेस की ओर से डाली गईं लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। इस पर केसवन ने कांग्रेस को लोकतंत्र और संविधान का हत्यारा बताया है। बता दें कांग्रेस का दलित चेहरा माने जाने वाले उदित राज ने यह टिप्पणी नेपाल में हाल के घटनाक्रम पर गुरुवार सुबह की।

हमारी लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं जिसे कांग्रेस ने डाला है: उदितराज

कांग्रेस नेता उदित राज ने लिखा, लोग चर्चा कर रहे हैं जिस तरह से नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में सत्ता को जनता ने उखाड़ फेंका है क्या भारत में ऐसा नहीं हो सकता। कुछ लोग ऐसा होने की संभावना तक जता रहे हैं, वास्तव में परिस्थितियां वैसी ही हैं और कुछ मामलों में अधिक लेकिन हमारा संविधान ऐसा करने से रोकता है। हमारी लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं जिसे कांग्रेस ने डाला है।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच रद्द करने की याचिका पर नहीं होगी जल्द सुनवाई

» सुप्रीम कोर्ट बोला- इतनी जल्दी क्या है, एक मैच है हाने दीजिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रि केट मैच को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई से इनकार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ये एक मैच है, इसे होने दीजिए। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग की थी। अदालत ने कहा था कि मैच रविवार को है, इसलिए शुक्रवार को ही सुनवाई हो।

जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने कहा, इतनी जल्दी क्या है? यह एक मैच है, इसे होने दीजिए, मैच इसी रविवार को है, क्या किया जा सकता है? हालांकि, वकील ने कहा कि मेरा मामला खराब हो सकता है, लेकिन इसे सुनवाई के लिए लिस्ट किया जाना चाहिए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका के जरिए विदेशी धरती पर होने वाले भारत पाक क्रिकेट मैच को रोकने की गुहार लगाई गई है। उर्वशी जैन ने भारत सरकार को इस बाबत उचित निर्देश देने का आग्रह कोर्ट से किया है। याचिकाकर्ता को वकील स्नेहा रानी और अभिषेक वर्मा के मुताबिक भारत-पाकिस्तान एशिया कप टी-20 मैच रद्द करने के निर्देश के लिए सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया है। उर्वशी जैन सहित कानून के चार छात्रों ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर इस जनहित याचिका में एशिया कप टी-20 लीग के हिस्से के रूप में 14 सितंबर, 2025 को दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान टी20 क्रिकेट मैच को रद्द करने के लिए तत्काल निर्देश देने की मांग की है। याचिकाकर्ताओं ने राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 के कार्यान्वयन के लिए निर्देश देने की भी मांग की है। याचिका में कहा गया है कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर, जिसमें भारतीय नागरिकों और सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया। इसके बाद पाकिस्तान के साथ एक क्रिकेट मैच का आयोजन राष्ट्रीय गरिमा और जन भावना के साथ एक असंगत संदेश भेजता है। यह तर्क दिया गया है कि आतंकवाद को पनाह देने वाले राष्ट्र के साथ खेलों में शामिल होना सशस्त्र बलों के मनोबल को कमजोर करता है और शहीदों और आतंकवाद के पीड़ितों के परिवारों को पीड़ा का कारण बनता है।

महापौर के औचक निरीक्षण का क्या है फसाना!

जनता की है फिक्र या आलाकमान को है जताना, किया छुपा है अंदर कोई निगम का खजाना

» अनुपस्थित अधिकारियों पर जताई कड़ी नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में गुरुवार सुबह 10:30 बजे का समय था, जब महापौर सुषमा खर्कवाल जी ने बिना किसी पूर्व सूचना के औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान नगर निगम में भारी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिससे महापौर ने नाराज़गी जताई और त्वरित कार्रवाई की। जैसे ही महापौर कार्यालय पहुंचीं, उन्होंने सबसे पहले उपस्थिति रजिस्टर की जांच की।

रजिस्टर में कई कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति नहीं दर्ज थी। इस लापरवाही पर गंभीर रुख अपनाते हुए महापौर ने नगर निगम मुख्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लगवाया और अटेंडेंस रजिस्टर को जप्त कर लिया। इसके पश्चात पूरे मुख्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महापौर सुषमा खर्कवाल स्वयं सभी विभागों में गईं और वहां कार्यरत कर्मचारियों एवं अधिकारियों की वास्तविक उपस्थिति का अवलोकन किया। इस दौरान यह सामने आया कि समस्त अपर नगर आयुक्त अपने-अपने कक्षों से अनुपस्थित थे। यही नहीं, प्रत्येक विभाग में नियुक्त प्रभारी पीसीएस अधिकारी भी अपनी ड्यूटी पर मौजूद नहीं थे। महापौर ने इस स्थिति को अत्यंत चिंताजनक बताया और कहा कि यह शहर के विकास और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता के लिए घातक है। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा,नगर निगम जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में इस तरह की लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो अधिकारी और कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचते, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पहलगाम में 26 की मौत के बाद पाक से क्रिकेट बेशर्मी व देशद्रोह: संजय राउत

» बोले- भाजपा इस पर जवाब दे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र में सिंदूर रक्षा आंदोलन की घोषणा की है, जिसमें महिला विंग पहलगाम हमले के शहीदों के परिवारों के आक्रोश को व्यक्त करेगी। राउत ने अबू धाबी में होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का कड़ा विरोध करते हुए इसे देशद्रोह बताया, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बावजूद 26 माताओं का सिंदूर मिटा दिया गया है।

यह अभियान राष्ट्रवादी भावनाओं को भुनाकर सरकार पर दबाव बनाने का प्रयास है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने घोषणा की कि शिवसेना (यूबीटी) महिला विंग रविवार को महाराष्ट्र में उन माताओं के लिए सिंदूर रक्षा आंदोलन करेगी, जिनका आक्रोश पहलगाम हमले से अभी तक शांत नहीं हुआ है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे, जिसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में आतंकवादी ढाँचे को निशाना बनाकर सटीक हमले किए। भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया।

विश्व हिंदू परिषद, आरएसएस, बजरंग दल को भी घेरा

उन्होंने आगे कहा कि मेरा सवाल भाजपा से है, सरकार से नहीं। मेरा सवाल विश्व हिंदू परिषद, आरएसएस, बजरंग दल से है। क्या इसमें आपकी कोई भूमिका है या नहीं? इस बीच, नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच, संजय राउत ने बुधवार को भारत में भी ऐसी ही घटना होने के प्रति आगाह किया।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का विरोध करेगी शिवसेना यूबीटी

संजय राउत ने कहा कि हम इस भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का विरोध करेंगे। महिलाएं सड़कों पर आएंगी और हमारा अभियान सिंदूर रक्षा अभियान है...आपने कहा कि पानी और खून साथ-साथ नहीं बहेंगे। अगर पानी और खून साथ-साथ नहीं बहेंगे, तो खून और क्रिकेट साथ-साथ कैसे चलेंगे?...यह देशद्रोह है, बेशर्मी है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, ये अभी भी जारी है। पहलगाम में हमारी 26 महिलाओं का सिंदूर मिटा दिया गया। उनका दर्द, दुःख और गुस्सा अभी खत्म नहीं हुआ है। आज भी वो सदमे में हैं। और आप लोग अबू धाबी में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। ये बेशर्मी है, ये देशद्रोह है।

दंतेवाड़ा में आईडी धमाका 2 सीआरपीएफ जवान घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पल्ली बारसूर मार्ग पर गुरुवार को हुए एक आईईडी विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान घायल हो गए। सीआरपीएफ के दो जवानों में से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घायल जवान सीआरपीएफ की 195वीं बटालियन के हैं। दंतेवाड़ा के सथधार-मालेवाही के पास प्रेशर आईईडी विस्फोट हुआ।

पुलिस ने बताया कि एक डॉग हैंडलर गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि एक इंस्पेक्टर को छर्रे लगने से मामूली चोटें आईं। दोनों घायल जवानों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। एक अन्य घटना में, सुरक्षा बलों ने बुधवार को अधिकारियों ने बताया कि कांकेर-नारायणपुर सीमा क्षेत्र में मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि नक्सली की पहचान पीएलजीए मिलिट्री कंपनी 05 के सदस्य के रूप में हुई है, जिस पर 8 लाख रुपये का इनाम था। मुठभेड़ थाना परतापुर के गेड़ाबेड़ा गाँव के पहाड़ी जंगल क्षेत्र में हुई। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से एक .303 राइफल और एक वॉकी-टॉकी भी बरामद किया। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और खराब मौसम के बावजूद, बस्तर में तैनात पुलिस और सुरक्षा बल भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार की मंशा के अनुसार जान-माल की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रहे हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।